मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने किया पूर्वोत्तर भारत की फिल्मों पर एक सेमिनार आयोजित

नई दिल्ली ,27 नवंबर2025 ,

नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च सेंटर)CNESPR), जामिया मिल्लिया इस्लामिया)जेएमआई) ने 26-27 नवंबर 2025को *'लोकेटिंग मार्जिनैलिटीज़ विदिन मार्जिन्स :फिल्म्स फ्रॉम नॉर्थ ईस्ट इंडिया '* विषय पर दो दिन का राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार को इंडियन काउंसिल ऑफ़ सोशल साइंसेज़ रिसर्च ,मिनिस्ट्री ऑफ़ एजुकेशन ,गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया ,नई दिल्ली ने स्पॉन्सर किया था।

उद्घाटन सत्र CNESPR के कॉन्फ्रेंस रूम में हुआ और इसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो .मो. महताब आलम रिजवी ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की ,जिसमें जेएमआई के सोशल साइंसेज फैकल्टी के डीन ,प्रो .मोहम्मद मुस्लिम खान विशेष अतिथि थे। प्रो . संजय- लेखक, फिल्ममेकर और पत्रकार हजारिका ने मुख्य भाषण दिया।

उद्घाटन सत्र CNESPR के निदेशक प्रो .एम .अमरजीत सिंह के स्वागत वक्तव्य से शुरू हुआ ।बिट्स-पिलानी ,हैदराबाद कैंपस के असिसटेंट प्रोफेसर और सेमिनार के को-कन्वीनर डॉ .देबाजीत बोरा ने थीम पर प्रकाश डाला और आगे की बातचीत के लिए माहौल बनाया।

प्रोफ़ेसर मोहम्मद मुस्लिम खान ने इंडियन सिनेमा के शुरुआती सालों को याद किया ,जब नॉर्थ ईस्ट की विज़िबिलिटी कम थी। उन्होंने डैनी डेन्ज़ोंगपा जैसे जाने-माने कलाकारों का ज़िक्र किया । उन्होंने कहा कि इस इलाके का सिनेमाई रिप्रेजेंटेशन काफ़ी बदला है ,और *क्रॉसिंग ब्रिजेज़* ,*हेडहंटर* ,*एक्सोन* जैसी कई अवॉर्ड विनिंग फ़िल्मों से इसे राष्ट्रीय पहचान मिली है। ये फ़िल्में नॉर्थ ईस्ट के समुदायों के विस्थापन ,सांस्कृतिक बदलाव और रोज़मर्रा की सामाजिक-राजनीतिक सच्चाई को दिखाती हैं।

अपने कीनोट एड्रेस में, प्रो संजय हज़ारिका ने .मिसरिप्रेसेंटेशन करने, एथिकल नेरेशन और असलियत से गहराई से जुड़ने में मीडिया और फिल्ममेकिंग की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि सिनेमा; साहित्य और थिएटर मिलकर यादों, विरोध और कल्पना के हमेशा रहने वाले भंडार के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि OTT प्लेटफॉर्म समेत इस इलाके में फिल्मों की लोकेशन, लड़ाई-झगड़े और हिंसा से हटकर ग्रामीण और शहरी समुदायों, बिज़नेस और फिल्म कम्युनिटी की ओर बढ़ने को दिखाती है।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में जेएमआई के कुलसचिव प्रो .मो .महताब आलम रिज़वी ने मेनस्ट्रीम इंडियन सिनेमा में लोकल भाषाओं ,देसी कहानियों और रीजनल आवाज़ों को ध्यान से शामिल करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने नॉर्थ ईस्ट में शूट की गई फिल्मों में भाषा को शामिल करने की सलाह दी ,ताकि कल्चरल इनक्लूसिविटी और इक्विटी की दिशा में एक अच्छा कदम उठाया जा सके।

उद्घाटन सत्र का समापन डॉकोखो .के ., असिस्टेंट प्रोफेसर, CNESPR, जेएमआई, और सेमिनार के कन्वीनर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रो .साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी